1.	योजना का नाम	बुनकरों/बुनकर समितियों को नगद पुरस्कार योजना
2.	योजना का संक्षिप्त परिचय	बुनकर/बुनकर समितियों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहन प्रदान करना ताकि परम्परागत कला को प्रश्रय मिल सके एवं प्रतिभा को सम्मान मिल सके।
3.	प्रारम्भ होने का वर्ष	2005–06
4.	लाभान्वित वर्ग	हाथकरघा बुनकर एवं हाथकरघा बुनकर सहकारी समितियां
5.	पात्रता	अ. जिला स्तर– बुनकर (व्यक्तिगत) एवं बुनकर समितियां ब. राज्य स्तर– जिला स्तर पर चयनित प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार विजेता।
6.	देय सुविधाएं	जिला स्तर प्रथम पुरस्कार ₹5100 द्वितीय पुरस्कर ₹3100 तृतीय पुरस्कर ₹2100 सांत्वना पुरस्कार ₹1100 x 2 राज्य स्तर प्रथम पुरस्कार ₹21000 द्वितीय पुरस्कर ₹11000 तृतीय पुरस्कर ₹7100 सांत्वना पुरस्कार ₹3100 x 2
7.	आवेदन का तरीका	बुनकर एवं बुनकर सहकारी समितियों द्वारा आवेदन संबंधित जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्रों को किया जाता है।
8.	आवेदन कहां किया जाये	जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र
9.	आवेदन के साथ औपचारिकताएं	सादा कागज पर आवेदन एवं उत्पाद प्रस्तुत किया जाता है।
10	सम्पर्क सूत्र	जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र तथा हाथकरघा शाखा, कार्यालय आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य, उद्योग भवन, जयपुर
11.	निर्धारित समय–सीमा	नहीं
12.	निर्धारित सहायता/सुविधाएं नहीं मिलने पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जिस अधिकारी से सम्पर्क करना है उसका नाम	महाप्रबन्धक, सम्बधित जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र
	शिकायत कैसे दर्ज करवानी है	साधारण पत्र द्वारा
	शिकायत का समाधान होने की समय–सीमा	निर्धारित नही
13.	बिन्दु संख्या 12 में उल्लेखित अधिकारी से भी शिकायत का समाधान न होने पर जिस अधिकारी से सम्पर्क करना है उसका नाम	आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य
	शिकायत कैसे दर्ज करवानी है	साधारण पत्र द्वारा
	शिकायत का समाधान होने की समय–सीमा	निर्धारित नही
14.	योजना अन्तर्गत देय आर्थिक सहायता क्या बैंक में जमा होगी अथवा ड्राफ्ट/चैकैक के द्वारा दी जावेगी	डी.वी.टी द्वारा
15.	यदि सहायता राशि बैंक में जमा होगी तो खाता खोलने के लिए किससे संपर्क करना है	सम्बधित बैंक
16.	कैसे जानकारी होगी कि राशि खाते में जमा हो गई है	सम्बधित बैंक से संपर्क करें
17.	योजना के अन्तर्गत क्या ऑनलाईन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है	नहीं है।
	यदि हां, तो वेबसाईट का पता	NA

राज्य स्तरीय बुनकर पुरस्कार 2021–22

हाथकरघा बुनकरों एवं बुनकर समितियों को उनके द्वारा उत्पादित उत्कृष्ट उत्पादों एवं गतिविधियों को पहचान व सम्मान दिलाने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के लिये वर्ष 2005–06 से "बुनकर पुरस्कार योजना" प्रारम्भ की गई। योजना अन्तर्गत राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर निम्नानुसार पुरस्कार दिये जाने का प्रावधान है।

	राज्य स्तरीय	जिला स्तरीय
प्रथम पुरस्कार	21000=00	5100=00
द्वितीय पुरस्कार	11000=00	3100=00
तृतीय पुरस्कार	7100=00	2100=00
सांत्वना पुरस्कार (2)	3100=00 3100=00	1100=00 1100=00

पुरस्कारों के चयन के लिये प्रशासनिक सुधार (अनु–3) विभाग के आदेश क्रमांक प.6(7)प्र.सु./अनु–3/2005 दिनांक 22.02.2005 द्वारा निम्नानुसार चयन समिति का गठन किया गया है।

	राज्य स्तरीय समिति	जिला स्तरीय समिति
अध्यक्ष	आयुक्त, उद्योग	जिला कलक्टर
सदस्य	व.अतिरिक्त निदेशक, उद्योग (वर्तमान में अतिरिक्त निदेशक, उद्योग)	प्रतिनिधि बुनकर सेवा केन्द्र
सदस्य	प्रबन्ध निदेशक, राज. राज्य हाथकरघा विकास निगम लि0	कुशल/पुरस्कृत बुनकर
सदस्य	प्रबन्ध संचालक, राज. राज्य बुनकर सहकारी संघ लि0	–
सदस्य सचिव	संयुक्त निदेशक, उद्योग (हा.क.) (वर्तमान में अतिरिक्त निदेशक, उद्योग)	महाप्रबन्धक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र

वित्तीय वर्ष 2021–22 में योजनान्तर्गत 3.00 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। राज्य के 19 बुनकर बाहुल्य जिलों को राशि (12500=00 रूपये प्रति जिला) आवंटित की गई है। राज्य के बुनकर बाहुल्य 16 जिलों से राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु कुल 32 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं।

दिनांक 15.02.2022 को राज्य स्तरीय बुनकर पुरस्कार चयन समिति की बैठक आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निम्न बुनकरों के उत्पादों को पुरस्कार के लिये चयनित किया गया।

1. **श्रीमती इन्द्रो, ग्राम थाट, तह. पोकरण, जैसलमेर** **पोकरण पटटू** **प्रथम पुरस्कार**

पटटू:– पटटू, जैसलमेर , बाड़मेर एवं जोधपुर क्षेत्र का एक पारम्परिक हाथकरघा उत्पाद है। यह उत्पाद सूती एवं ऊनी दोनो प्रकार के धागों से तैयार किया जाता है। बुनाई के दौरान बारीक डिजाइन तैयार की जाती है। पटटू का उपयोग शीतकाल में शॉल के रूप में बहुतायत से किया जाता है।

2. **श्री गुलाम अहमद , अंसारी मोहल्ला, सवाईमाधोपुर** **प्लेन खेस** **द्वितीय पुरस्कार**

प्लेन खेसः– खेस अथवा चादर का उत्पादन सवाईमाधोपुर के अतिरिक्त राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी किया जाता है। हाथकर्घा पर बुनाई के दौरान खेस में विभिन्न रंगों के धागों का प्रयोग कर उन्नत किस्म का उत्पादन किया जाता है। इसका उपयोग आमतौर पर हल्की सर्दी एवं गर्मीयों में किया जाता है।

3. **श्री शक्ति सिंह नरूका, ग्राम सिराही, पोस्ट पोल्याडा, टोंक** **सूती साड़ी** **तृतीय पुरस्कार**

सूती साड़ीः– सूती/रेशमी साड़ी का उत्पादन हाथकरघा पर किया जाता है। टोंक जिले के ऑवां कस्बे में श्री आशीष जैन द्वारा हाथकरघा स्थापित कर स्थानीय बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय के बुनकर सेवा केन्द्र, जयपुर द्वारा ऑवां में बारीक धागे से (60 न0 से 80 न0 के धागों से) महिलाओं एवं पुरूषो के लिये साड़ी एवं धोती का उत्पादन प्रारम्भ कराया गया है।

4. **श्री मकबूल अहमद, वार्ड न0–12 मांगरोल, बांरा,** **कोटा डोरिया बैगनी बूटीसाड़ी** **सांत्वना पुरस्कार**

कोटा डोरिया साड़ीः– विश्वविख्यात कोटा डोरिया साड़ी का उत्पादन हाथकरघा पर कोटा, बूंदी एवं बांरा जिलों में अधिक किया जाता है। कोटा डोरिया साड़ी की मांग विदेशों तक है। कोटा डोरिया साड़ी के संरक्षण के लिये भारत सरकार द्वारा G.I न012 जारी किया गया है।

5. **श्री बुधाराम, ग्रामपोस्ट कांकणी, पं.स. लूणी, जोधपुर** **सूती दरी** **सांत्वना पुरस्कार**

सूती दरीः– जोधपुर के लूणी एवं सालावास के बुनकरों द्वारा एक्सपोर्ट क्वालिटि की दरी का उत्पादन हाथ करघा पर किया जाता है।

6 **श्रीमती सुमन, अमरपुरा बास, भीनासर, बीकानेर** **कोटिंग ऊनी** **सांत्वना पुरस्कार**

कोटिंग ऊनीः– बीकानेर चूरू एवं जैसलमेर क्षेत्र में ऊन बहुतायत से पाई जाती है। जैन्टस शॉल एंव अन्य ऊनी उत्पादों का उत्पादन हाथकरघा पर किया जाता है। कोटिंग ऊनी एक रनिंग ऊनी उत्पाद है। जिसका उपयोग विभिन्न उत्पादों जैसे जैकेट, कोट आदि के लिये किया जाता है।

बैठक के दौरान, आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य द्वारा एक अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार दिये जाने का प्रस्ताव रखा गया तथा श्रीमती सुमन, अमरपुरावास, भीनासर बीकानेर को चयनित किया गया।